

चन्नौर चावल को जीआई टैग

चर्चा में क्यों?

29 सितंबर, 2021 को राज्य सरकार द्वारा बताया गया कच्चिन्नौर चावल के लिये जीआई टैग के मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के दावे में मध्य प्रदेश को मान्यता दी गई।

प्रमुख बंदि

- चन्नौर चावल का उत्पादन मुख्यतः बालाघाट क्षेत्र में किया जाता है, हालाँकि महाराष्ट्र के भंडारा में भी इसका उत्पादन किया जाता है, जिसके लिये महाराष्ट्र द्वारा जीआई टैग का दावा किया गया था।
- बालाघाट में पाई जाने वाली चीकायुक्त दोमट मट्टि यहाँ चावल उत्पादन के लिये अनुकूल परिस्थितियों उत्पन्न करती हैं। इसलिये बालाघाट को मध्य प्रदेश का धान का कटोरा भी कहा जाता है।
- भारत में जीआई टैग को वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण एवं संरक्षण) अधिनियम, 1999 के तहत वनियमति किया जाता है।
- भारत में सबसे पहले जीआई टैग 2004 में दार्जलिगि चाय को प्रदान किया गया।